श्री भानु प्रताप सिंह : श्रीमन् कृषि पदार्थों के मूल्यों के विषय में मेरे जो विचार हैं, वह प्रधान मंत्री को और दूसरे मंत्रियों को और पूरे सदन को भी मालूम हैं।

चौधरी बलबीर सिंह : आप अपना बयान दे रहे हैं या सरकार का ?

श्री भानु प्रताप सिंह : आप सुन तो लें। मैं तो बहुत धीरज से सुनता हूं, आप सुनना गवारा नहीं करते। मेरे विचार अभी भी वही हैं। मैं विश्वास दिलाता हूं कि ये बदले नहीं हैं। लेकिन मैं अपने विश्वासों के अनुरूप निर्णय नहीं करा सकता। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। ये सारे निर्णय कराने में समय लगता है। हमारे प्रधान मंत्री जी स्वयं नशाबन्दी के पक्ष में हैं लेकिन ओवरनाईट वे इसको नहीं करा पाये। प्रधान मंत्री जी जो चाहते हैं, अगर वे नहीं करा सकते तो इस तरह की समस्याएं भी जल्दी से हल नहीं हो सकती हैं। (व्यवधान) आप सुनिये। यह मूल्यों का प्रश्न एक सामाजिक प्रश्न है। इसलिए सामाजिक प्रश्न है कि समाज में किसान का क्या दर्जा है। जब सामाजिक प्रश्न को ले कर हम उस का हल ढूंढने लगते हैं तो उस का कोई जल्दी फल नहीं निकल सकता है।

श्री राज नारायण (राय बरेली) : उपाध्यक्ष महोदय, हमारा प्वाएंट आफ आर्डर है। कृषि मंत्री जी कहते हैं कि किसान का समाज में क्या दर्जा है ? मैं आप से कहता हूं कि यह तो बड़ा व्यापक प्रश्न है। क्या इसी इरादे से प्राइस कंट्रोल नहीं हो पा रही हैं ?

उपाध्यक्ष महोदय : इस में व्यवस्था का क्या प्रश्न है ? यह तो आपकी राय है।

श्री राज नारायण : यह मैं इसलिए कहता हूं कि अगर मंत्री जी किसान का स्तर क्या है, दर्जा क्या है, इस पर बहस करना चाहते हैं तो इन के बोलने के बाद मुझे भी बोलने का मौका दिया जाए।

उपाध्यक्ष महोदय : यह आप की राय हो सकती है और मंत्री महोदय की दूसरी राय हो सकती है। मंत्री अपनी राय बता रहे हैं।

श्रीमती जगाबती : हम उनकी निजी राय नहीं चाहते हैं। हम गवर्नमेंट की तरफ से कमिटमेंट करवाना चाहते हैं। आप हम को क्या रियायत देंगे इसको आप फ्लोर आफ दी हाउस पर हमें बतायें। कालिंग एटेंशन इसी वास्ते दिया गया था कि आप कमिट करें।

श्री भानु प्रताप सिंह : सरकार की तरफ से मैं पहले ही उत्तर दे चुका हूं। जब बार बार मुझ से अपनी राय देने के लिए कहा गया तब मैंने अपने विचार रखे। वर्ना मुझे इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। सरकार की तरफ से जो निश्चय किया गया है वह मैं बता चुका हूं और—वह यह है कि हम अधिक से अधिक इस मूल्य पर खरीदने की व्यवस्था करेंगे।

13.31 hrs.

COMMITTEE ON ABSENCE OF MEMBERS FROM THE SITTINGS OF THE HOUSE

NINTH REPORT

SHRI D. AMAT (Sundargarh): I beg to present the Ninth Report of the Committee on Absence of Members from the sittings of the House.

13.31 1/2 hrs.

STATEMENTS OF PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

SHRI ASOKE KRISHNA DUTT (Dum Dum) : I beg to lay on the Table (English and Hindi versions) of the following statements:

(1) Statement showing final replies of Government to the recommendations contained in Chapter V and the action taken replies on the recommendations made in Chapter I of the 25th Report of the Public Accounts Committee regarding action taken by Government on the recommendations contained in their 220th Report (5th Lok Sabha) on 'Delays in Furnishing Action Taken Notes'.

(2 Statement showing final replies of Government to the recommendations contained in Chapter V and the action taken replies on the recommendations made in Chapter I on the 34th Report of the Public Accounts Commmittee regarding action taken by Government on the recommendations contained in their 183rd Report (5th Lok Sabha) on New Service/New Instrument of Service.